

साप्ताहिक

अचलेश्वर एक्सप्रेस

संपादक : आकाश कुशवाह:- 8435500216

वर्ष-1 अंक-04

| ग्वालियर, सोमवार 14 सितंबर 2026 |

पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये

RNI No. - MPHIN/26/A/7091

मुख्यमंत्री ने दुनिया के उद्योग जगत को दिया मप्र में निवेश का न्योता, रोजगार से लेकर व्यापार तक नए अवसरों की उम्मीद

मध्यप्रदेश निवेशकों का भरोसेमंद साथी, दुबई से 53 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

अचलेश्वर एक्सप्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश अब केवल देश के भीतर निवेश का केंद्र बनने की दिशा में नहीं, बल्कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान बनाने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 6 से 8 सितंबर तक के दुबई दौरे में प्रदेश को लगभग 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने वैश्विक उद्योग जगत के सामने मध्यप्रदेश को ऐसे निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया, जहां पूंजी के साथ तकनीक, बाजार, निर्यात और रोजगार को भी जोड़ा जा सकता है।



निवेश आएगा तो युवाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

दुबई में हुई चर्चाओं का सबसे बड़ा संभावित लाभ प्रदेश के युवाओं को मिल सकता है। लॉजिस्टिक्स, आईटी, एआई, आधुनिक विनिर्माण, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा, शिक्षा, पर्यटन और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ने से आने वाले समय में रोजगार के नए अवसर तैयार होने की उम्मीद है। प्रदेश में पहले से ही एमएसएमई क्षेत्र में 1.10 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं। ऐसे में नए निवेश छोटे कारोबारों और स्थानीय रोजगार को भी गति दे सकते हैं।

किसान से वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा मध्यप्रदेश का उत्पाद

मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया। फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, भंडारण और कृषि निर्यात में यूएई तथा खाड़ी देशों के बाजार को लक्ष्य बनाया जा रहा है। यदि ये योजनाएं जमीन पर उतरती हैं तो किसानों, एफपीओ, स्थानीय उत्पादकों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को अपने उत्पादों के लिए बड़े बाजार उपलब्ध हो सकते हैं। इससे खेती को केवल उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय उसे वैश्विक व्यापार से जोड़ने का रास्ता मजबूत होगा।

शिक्षा और कौशल विकास में भी आएगा वैश्विक सहयोग: जेम्स एजुकेशन के साथ प्रदेश के प्रमुख और उमरते शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के च-12 स्कूल तथा कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। शिक्षा और कौशल विकास में ऐसे निवेश से प्रदेश के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक वातावरण और रोजगारोन्मुख कौशल उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। आज के युवाओं को केवल डिग्री नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली क्षमताएं देना इस तरह की साझेदारियों का महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है।

एमएसएमई और छोटे कारोबारियों के लिए खुल सकता है खाड़ी बाजार

शारजाह चैंबर के साथ प्रस्तावित 'मध्यप्रदेश-शारजाह बिजनेस फोरम' प्रदेश के छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मध्यप्रदेश के एमएसएमई और निर्यातकों को खाड़ी देशों के खरीदारों एवं वितरकों से जोड़ने की पहल से स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल सकता है। सरकार का जोर केवल बड़े निवेशकों तक सीमित न रहकर छोटे कारोबारियों को भी वैश्विक व्यापार से जोड़ने पर दिखाई देता है।

चंदेरी, महेश्वरी और ग्वालियर कारपेट को मिलेगी वैश्विक पहचान

दुबई में मध्यप्रदेश के ओडीओपी और जीआई उत्पादों की प्रदर्शनी के जिएए प्रदेश की पारंपरिक कला और स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के सामने रखा गया। चंदेरी, महेश्वरी, बैतूल बेल मेटल, उज्जैन बाटिक, भोपाल जरी-जरदोजी और ग्वालियर कारपेट जैसे उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग से स्थानीय कारीगरों

और हस्तशिल्प से जुड़े परिवारों के लिए नए बाजार बनने की संभावना है। स्थानीय हुनर को अंतरराष्ट्रीय ग्राहक मिलने का अर्थ सीधे तौर पर कारीगरों की आय और रोजगार के अवसरों से जुड़ सकता है।

किसान से वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा मध्यप्रदेश का उत्पाद

मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया। फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, भंडारण और कृषि निर्यात में यूएई तथा खाड़ी देशों के बाजार को लक्ष्य बनाया जा रहा है। यदि ये योजनाएं जमीन पर उतरती हैं तो किसानों, एफपीओ, स्थानीय उत्पादकों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को अपने उत्पादों के लिए बड़े बाजार उपलब्ध हो सकते हैं। इससे खेती को केवल उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय उसे वैश्विक व्यापार से जोड़ने का रास्ता मजबूत होगा।

आईटी और एआई में मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए नई संभावनाएं

भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एआई, डेटा, ड्रोन, डिफेंस, साइंस सिटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों पर भी जोर दिया जा रहा है। रीवा, इंदौर और उज्जैन में नए आईटी पार्क विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। विश्व बैंक के साथ एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं पर सहयोग की संभावनाएं भी तलाशे जाने से मध्यप्रदेश के तकनीकी क्षेत्र को वैश्विक विशेषज्ञता और वित्तीय सहयोग मिलने का रास्ता खुल सकता है।

ग्रीन एनर्जी और वेस्ट-टू-एनर्जी से स्वच्छ मध्यप्रदेश की दिशा में कदम

शारजाह स्थित बी-आह के साथ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, वेस्ट-टू-एनर्जी और सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशना पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इंदौर के स्वच्छता और बायो-सीएनजी मॉडल को आधुनिक वैश्विक

तकनीक से जोड़कर जीरो-वेस्ट लैंडफिल की दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है। इससे शहरों में बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सकता है।

पर्यटन में निवेश बढ़ा तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

यूएई की ओर से मध्यप्रदेश में होटल, हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने की सहमति भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, धार्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने पर होटल, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और छोटे कारोबारों को लाभ मिल सकता है। पर्यटन बढ़ने का सीधा असर स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसरों पर पड़ता है।

मप्र की केंद्रीय स्थिति बनी निवेश की बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों के सामने मध्यप्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, पर्याप्त भूमि, बिजली, जल संसाधन, कनेक्टिविटी और कुशल मानव संसाधन को प्रदेश की प्रमुख ताकत के रूप में रखा। लगभग 1,000 किलोमीटर के दायरे में देश की करीब 60 प्रतिशत आबादी तक पहुंच की क्षमता मध्यप्रदेश को बड़े बाजार के नजदीक लाती है। सड़क, रेल और एयर कनेक्टिविटी के विस्तार से प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाय चेन से जोड़ने की संभावनाएं और मजबूत हो सकती हैं।

25 से अधिक नई नीतियों से कारोबार आसान बनाने का प्रयास: निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से प्रदेश में 25 से अधिक नई नीतियां लागू किए जाने और 2700 से अधिक अप्रासंगिक कानून समाप्त किए जाने की जानकारी भी वैश्विक निवेशकों के सामने रखी गई। सरकार का लक्ष्य निवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है, ताकि निवेशकों को अनावश्यक प्रक्रियाओं का सामना न करना पड़े और नए उद्योग तेजी से जमीन पर उतर सकें।

निवेश प्रस्तावों से आगे बढ़कर जमीन पर उतरने की चुनौती

दुबई दौरे से मिले निवेश प्रस्ताव निश्चित रूप से प्रदेश के लिए उत्साहजनक हैं, लेकिन इन प्रस्तावों को वास्तविक निवेश, उद्योग, रोजगार और स्थानीय विकास में बदलना अगली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। इसके लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की समयबद्ध निगरानी, पारदर्शी प्रक्रिया और निवेशकों को लगातार सहयोग देना जरूरी होगा। सरकार ने मध्यप्रदेश-यूएई निवेश सहयोग के लिए 5 से 10 क्रियान्वयन-तैयार परियोजनाओं की पहचान और नोडल अधिकारियों के माध्यम से समीक्षा की दिशा में पहल की है।

2027 का ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट बना दुबई दौरे का अगला लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई प्रवास के दौरान लगभग हर प्रमुख बैठक में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए निवेशकों, कंपनियों, सरकारी प्रतिनिधियों और व्यापारिक संगठनों को आमंत्रित किया। यूएई, तातरस्तान, अरब देशों और वैश्विक उद्योग जगत के साथ संपर्क बढ़ाकर मध्यप्रदेश अगले वर्ष होने वाले इस आयोजन को प्रदेश में बड़े निवेश और तकनीकी साझेदारी का मंच बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री का संदेश—मध्यप्रदेश केवल निवेश का गंतव्य नहीं, भरोसेमंद साझेदार: दुबई दौरे का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि मध्यप्रदेश अब निवेश को केवल पूंजी तक सीमित नहीं देख रहा। सरकार

की कोशिश है कि निवेश के साथ तकनीक आए, बाजार मिले, निर्यात बढ़े, स्थानीय कारोबार मजबूत हो और युवाओं के लिए रोजगार पैदा हो। यदि दुबई में सामने आए निवेश प्रस्ताव योजनाबद्ध तरीके से धरातल पर उतरते हैं, तो इसका प्रभाव प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ आम जनता की आय, रोजगार, व्यापार और जीवन की संभावनाओं पर भी दिखाई दे सकता है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश को केवल 'निवेश गंतव्य' नहीं, बल्कि विश्वसनीय, पारदर्शी और दीर्घकालिक कारोबारी साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया।

12 दिन में 133 केस, फिर भी सवाल कायम-कितनी गहरी है ग्वालियर में अवैध शराब की जड़ें?

महाराजपुरा, डबरा और पुरानी छावनी में सबसे ज्यादा कार्रवाई; पुलिस के आंकड़े बता रहे हैं कि अभियान तेज है, लेकिन असली चुनौती नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने की

ग्वालियर। अवैध शराब के खिलाफ ग्वालियर पुलिस का सघन अभियान निश्चित तौर पर कार्रवाई की तस्वीर पेश करता है। 1 से 12 सितंबर के बीच आवककारी अधिनियम के तहत 133 प्रकरण दर्ज होना बताता है कि पुलिस ने जिलेभर

में निगरानी और दबिश बढ़ाई है। महाराजपुरा में 12, डबरा में 11 और पुरानी छावनी में 9 प्रकरण दर्ज हुए। इसके अलावा लगभग पूरे जिले में कार्रवाई सामने आई है। लेकिन इन आंकड़ों के बीच एक बड़ा सवाल भी खड़ा होता है—अगर

महज 12 दिनों में 133 मामले सामने आ रहे हैं तो अवैध शराब का नेटवर्क आखिर कितना व्यापक है? कार्रवाई के बाद छोटे स्तर पर शराब बेचने वालों तक पहुंचना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह पता लगाना है कि शराब

की आपूर्ति कहां से हो रही है और इसके पीछे कौन से बड़े नेटवर्क सक्रिय हैं। पुलिस का अभियान तभी पूरी तरह प्रभावी माना जाएगा, जब प्रकरण दर्ज करने के साथ-साथ अवैध शराब की सप्लाय चेन, भंडारण के ठिकानों और बड़े कारोबारियों तक

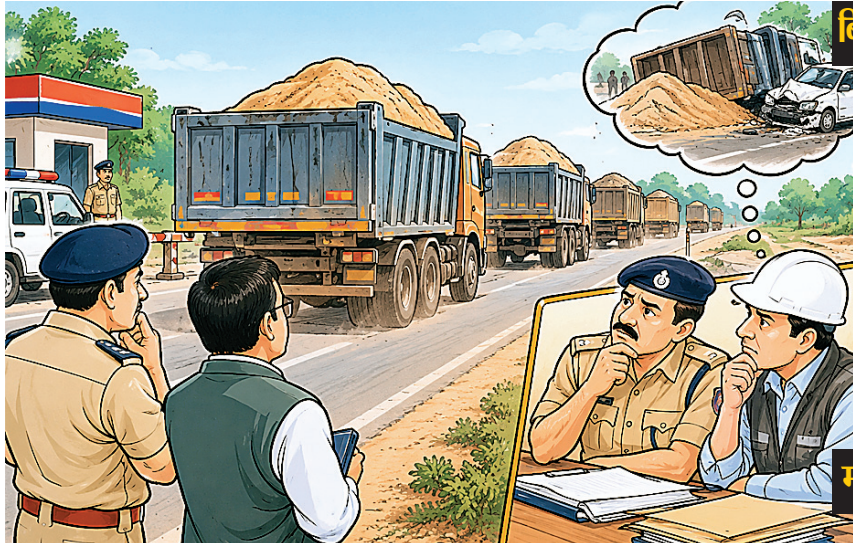
भी कार्रवाई पहुंचे। फिलहाल 133 प्रकरण पुलिस की सक्रियता का आंकड़ा हैं, लेकिन यही आंकड़ा व्यवस्था के सामने एक चुनौती भी रखता है—कार्रवाई जारी रहे और अब निशाना नेटवर्क की जड़ बने।

कार्रवाई हादसे के बाद ही होगी या पहले भी जागेंगे जिम्मेदार? पुलिस और माइनिंग की निगरानी पर उठे सवाल

भिंड से ग्वालियर तक रेत का खेल, महाराजपुरा-बिजौली थानों के सामने से गुजरते ट्रक

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। भिंड जिले से ग्वालियर की ओर आने वाली रेत के लिए महाराजपुरा और बिजौली क्षेत्र प्रमुख रास्तों में शामिल बताए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर लगातार यह सवाल उठ रहा है कि यदि इन मार्गों से बड़ी संख्या में रेत से भरे वाहन शहर की ओर आ-जा रहे हैं, तो संबंधित पुलिस थानों और खनिज विभाग की निगरानी आखिर कहां है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन रास्तों से होकर भारी वाहन गुजरते हैं, वहां तैनात पुलिसकर्मियों और खनिज विभाग की टीम को अवैध परिवहन की भनक क्यों नहीं लगती? रेत से लदे वाहन कई बार पुलिस व्यवस्था की नजरों के सामने से गुजरते हैं, लेकिन कार्रवाई दिखाई नहीं देती। क्या जांच और निगरानी केवल किसी बड़े हादसे या शिकायत के बाद ही शुरू होगी? यदि परिवहन वैध है तो दस्तावेजों की जांच कर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जाती और यदि अवैध है तो कार्रवाई क्यों नहीं होती? सवाल सिर्फ रेत का नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा, नियमों के पालन और जिम्मेदार विभागों की सक्रियता का है।



माइनिंग विभाग की निगरानी पर सबसे बड़ा सवाल: रेत दिखती क्यों नहीं?

भिंड से ग्वालियर आने वाले रेत परिवहन की निगरानी की जिम्मेदारी केवल पुलिस की नहीं, खनिज विभाग की भी है। यदि बड़ी संख्या में रेत से भरे वाहन नियमित रूप से ग्वालियर पहुंच रहे हैं, तो माइनिंग विभाग को यह बताना चाहिए कि इन वाहनों की वैधता की जांच किस स्तर पर हो रही है। यदि सब कुछ नियमों के अनुसार है तो विभाग स्पष्ट करे कि परिवहन के लिए आवश्यक दस्तावेज और अनुमति मौजूद हैं। लेकिन यदि अवैध परिवहन हो रहा है

और इसके बावजूद लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होती, तो विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। सबसे गंभीर सवाल संभावित मिलीभगत या संरक्षण का है, लेकिन ऐसे आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है। इसलिए विभाग को रेत परिवहन वाले मार्गों पर अनियान चलाकर वास्तविक स्थिति सामने लानी चाहिए। कार्रवाई हादसे के बाद की खानापूर्ति न बने—इससे पहले ही निगरानी, जांच और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए।

बिजौली थाना: थाने के सामने से गुजरती रेत, फिर भी निगरानी पर सवाल

बिजौली क्षेत्र से रेत परिवहन को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। रेत से भरे भारी वाहनों की आवाजाही यदि नियमित है तो पुलिस की पैट्रोलिंग और चेकिंग व्यवस्था पर सवाल स्वाभाविक है। थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले वाहनों की जांच के लिए पुलिस के पास व्यवस्था है, ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कितने वाहनों की जांच हुई और कितनों पर कार्रवाई की गई। यदि कोई वाहन वैध दस्तावेजों के साथ चल रहा है तो पुलिस और माइनिंग विभाग को

यह स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? थाना प्रभारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक को इस मार्ग पर रेत परिवहन की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। सवाल किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता का है। आखिर रेत से लदे वाहन लगातार गुजर रहे हैं तो निगरानी तंत्र उन्हें देख क्यों नहीं पा रहा?

महाराजपुरा थाना: शहर के प्रवेश मार्ग पर रेत, जिम्मेदारों की नजर कहां?

महाराजपुरा क्षेत्र ग्वालियर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण मार्गों में है। यहां से भारी वाहनों की आवाजाही को देखते हुए रेत परिवहन की निगरानी और दस्तावेजों की जांच बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। सवाल यह है कि यदि भिंड की ओर से आने वाले रेत से लदे वाहन इस मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई कितनी प्रभावी है? क्या नियमित चेकिंग होती है या फिर शिकायत आने का इंतजार किया जाता है? सड़क पर भारी

और ओवरलोड वाहनों की आवाजाही हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में किसी घटना के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले ही व्यवस्था सक्रिय हो। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में रेत परिवहन की निगरानी को लेकर संबंधित अधिकारियों को जवाब देना चाहिए कि कितने वाहनों की जांच की गई, कितने वैध पाए गए और कितनों के खिलाफ कार्रवाई हुई। यदि आंकड़े मौजूद हैं तो उन्हें सामने लाने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

जिलेभर में अवैध शराब पर पुलिस का शिकंजा, माधौगंज में क्यों ढीली पड़ी कार्रवाई?

थाने से कुछ ही दूरी पर खुलेआम शराब बिक्री के आरोप, पुलिस की नजर नहीं या फिर संरक्षण का सवाल?

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई का दावा कर रही है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध शराब पकड़ने और आरोपियों पर कार्रवाई की खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन माधौगंज थाना क्षेत्र में कथित रूप से खुलेआम अवैध शराब की बिक्री को लेकर अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि थाना क्षेत्र के कई इलाकों में अवैध शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है। हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि माधौगंज थाने से कुछ ही दूरी पर भी शराब की अवैध बिक्री होने के आरोप हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जब



जिले के दूसरे थाना क्षेत्रों में पुलिस अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, तो माधौगंज क्षेत्र में कार्रवाई इतनी कमजोर क्यों दिखाई दे रही है? क्या पुलिस को इन ठिकानों की जानकारी नहीं है या फिर जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही? सबसे गंभीर सवाल यह भी है कि कहीं इस पूरे

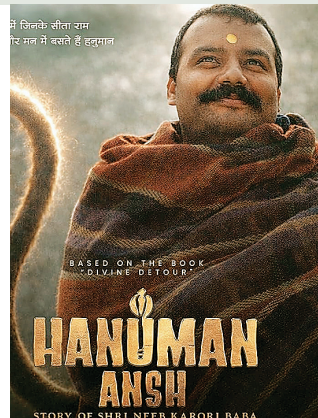
खेल को किसी स्तर से संरक्षण तो नहीं मिल रहा? चर्चाओं में थाना प्रभारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, माधौगंज क्षेत्र में अवैध शराब के कथित ठिकानों, बिक्री के तरीकों और पुलिस की भूमिका को लेकर अचलेश्वर एक्सप्रेस अगले अंकों में विस्तार से पड़ताल प्रकाशित करेगा।

कलेक्टर ने मंगल धाम के वृद्धजनों के साथ साझा की खुशी, मॉल में दिखाई हनुमान जी पर आधारित फिल्म

वृद्धजनों ने फिल्म का लिया आनंद, कलेक्टर की संवेदनशील पहल की सराहना

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रशासन को जनसेवा के साथ सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की दिशा में ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील पहल की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगल धाम के वृद्धजनों के साथ आत्मीय समय बिताते हुए उन्हें शहर के एक मॉल में हनुमान जी पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' दिखाई। कलेक्टर की इस पहल से मंगल धाम के वृद्धजनों में खासा उत्साह नजर आया। सभी ने सामूहिक रूप से फिल्म का आनंद लिया। उनके लिए यह अवसर केवल मनोरंजन



तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अपनत्व, सम्मान और प्रशासन की संवेदनशीलता का सुखद अनुभव भी बना।

फिल्म प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन की ओर से तहसीलदार श्री कुलदीप दुबे सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी वृद्धजनों के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने उनके साथ समय बिताया, आत्मीय संवाद किया और उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान वृद्धजनों को फल भी वितरित किए गए। मंगल धाम के वृद्धजनों ने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा उनके साथ जिस आत्मीयता से समय बिताया गया, वह उनके लिए विशेष और यादगार अनुभव रहा। वृद्धजनों ने कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

समय पर फोन उठ जाए तो कई अफवाहें खबर बनने से पहले ही रुक जाएं, सरकारी नंबर बंद तो जवाब कौन देगा?

अधिकारियों की संचार व्यवस्था पर सवाल, सूचना के अभाव में सोशल मीडिया से नेशनल मीडिया तक पहुंच रही अपुष्ट खबरें; समय पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिलने से ग्वालियर की छवि पर पड़ रहा असर

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। सोशल मीडिया के दौर में किसी घटना से जुड़ी अधूरी या गलत जानकारी कुछ ही मिनटों में शहर से प्रदेश और फिर नेशनल स्तर तक पहुंच सकती है। ऐसे समय में प्रशासन और संबंधित विभागों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समय पर अधिकृत और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना भी है। लेकिन जब किसी घटना के बाद संबंधित अधिकारी का फोन नहीं उठता, सरकारी

संपर्क नंबर बंद मिलता है या जिम्मेदार अधिकारी की ओर से समय रहते कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आती, तो सूचना का खाली स्थान अफवाहों के लिए रास्ता खोल देता है। स्थिति यह है कि किसी घटना की पहली जानकारी कई बार सोशल मीडिया पोस्ट, व्हाट्सएप संदेश या अपुष्ट सूत्रों के हवाले



से तेजी से प्रसारित होने लगती है। पत्रकार और मीडिया संस्थान जब आधिकारिक पुष्टि के लिए संबंधित विभाग से संपर्क करते हैं और उन्हें समय पर जवाब नहीं मिलता, तब तक अपुष्ट जानकारी कई प्लेटफॉर्म पर शेयर हो चुकी होती है। बाद में यदि खबर गलत निकलती है तो सवाल केवल खबर चलाने वाले पर नहीं उठता, बल्कि उस सूचना तंत्र पर

भी उठता है जिसने समय रहते सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। यह किसी एक विभाग या अधिकारी तक सीमित विषय नहीं है। पुलिस, प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य, खनिज, आबकारी सहित प्रत्येक महत्वपूर्ण विभाग में प्रभावी संचार व्यवस्था जरूरी है। सरकारी नंबर लगातार चालू रहना, फोन कॉल का जवाब देना और संवेदनशील मामलों में अधिकृत सूचना जारी करना आज प्रशासनिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जरूरत इस बात की है कि

जिम्मेदार अधिकारी इस व्यवस्था की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी महत्वपूर्ण घटना में मीडिया को समय पर आधिकारिक तथ्य मिल सकें। क्योंकि अफवाहों को रोकने के लिए केवल खंडन पर्याप्त नहीं, सही सूचना समय पर देना भी उतना ही जरूरी है। प्रशासनिक चुप्पी जितनी लंबी होगी, अफवाहों को उतनी ही ज्यादा जगह मिलेगी और उसका सीधा असर ग्वालियर की छवि पर पड़ सकता है।

बिलौआ खदान क्षेत्र में देर रात प्रशासन का एक्शन, कलेक्टर-एसएसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

खनिज विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवैध उत्खनन-परिवहन पर सख्त निगरानी के निर्देश

अचलेश्वर एक्सप्रेस

गवालियर । जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रशासन की निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह रविवार की देर रात संबंधित अधिकारियों एवं खनिज विभाग की टीम के साथ बिलौआ खदान

क्षेत्र के संयुक्त निरीक्षण पर पहुंचे। देर रात हुए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खदान क्षेत्रों में मौके की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया और वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। अधिकारियों ने खनिज विभाग की टीम को क्षेत्र में लगातार प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन अथवा अवैध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के



लिए कहा।

प्रशासन की इस देर रात कार्रवाई से खनन क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को लेकर स्पष्ट संदेश गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधित व्यक्तियों और वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

भारत और चीन को एक-दूसरे का प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार के तौर पर देखना चाहिए

दोनों ने रिश्ते सुधारने और सीमा पर शांति की बात तो की एक जैसी, जोर देने का तरीका अलग

नई दिल्ली, (ए)। नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। बैठक में भारत-चीन रिश्तों को आगे बढ़ाने, सीमा पर शांति बनाए रखने, व्यापार समेत कई मुद्दों पर बात हुई। दोनों देशों के बयानों में रिश्ते सुधारने और सीमा पर शांति की बात तो एक जैसी है, लेकिन जोर देने का तरीका थोड़ा अलग है। चीन ने आपसी सम्मान और समझ के जरिए रिश्तों में आने वाली रुकावटें दूर करने की बात कही। भारत ने सीमा पर शांति को रिश्तों के आगे बढ़ाने की जरूरी बुनियाद बताया। साथ ही मौजूदा समझौतों और आपसी सहमतियों का पालन करने पर जोर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन की प्रेस रिलीज में कहा गया है कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार के तौर पर देखना चाहिए। दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक और लंबे समय के

नजरिए से आगे बढ़ाने की बात कही गई है। बयान में पिछले दो साल में दोनों देशों के बीच बातचीत फिर शुरू होने, सहयोग बढ़ने और व्यापार के नए स्तर पर पहुंचने का भी जिक्र है। चीन ने कहा कि दोनों देशों की अपनी-अपनी परिस्थितियां हैं, इसलिए एक-दूसरे की ताकत का फायदा उठाते हुए साथ आगे बढ़ना चाहिए। वहीं सीमा मुद्दे पर चीन ने कहा कि दोनों पक्ष आपसी सम्मान और आपसी समझ के जरिए रिश्तों में आने वाली रुकावटों को दूर करें, साथ ही द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने के साथ सीमा विवाद के समाधान की कोशिश भी जारी रखी जाए। यानी चीन का फोकस सिर्फ रिश्तों को आगे बढ़ाने पर नहीं है। उसने सीमा विवाद का समाधान तलाशने के साथ-साथ सीमा वाले इलाकों में शांति बनाए रखने की बात भी कही है।

भारत ने भी जारी बयान में सीमा पर शांति को सबसे अहम बताया और



कहा कि सीमा वाले इलाकों में शांति और स्थिरता दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने की जरूरी बुनियाद है। भारत ने साफ कहा कि दोनों पक्षों को सीमा से जुड़े मौजूदा समझौतों और आपसी सहमतियों का पालन करना चाहिए। बयान में सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान की प्रतिबद्धता भी जताई गई। यह समाधान दोनों देशों के पूरे रिश्तों को ध्यान में रखते हुए निकाला जाए। साथ ही दोनों देशों के

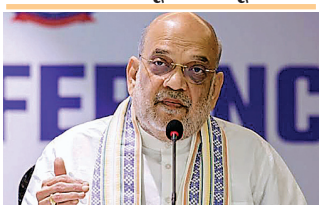
लोगों के लंबे समय के हितों को भी ध्यान में रखने की बात कही। इसके अलावा प्रेस रिलीज में लोगों के बीच संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार और सीधी उड़ानों जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने की बात भी सामने आई है।

इससे पहले दोनों नेताओं की बैठक में भी सीमा, रिश्तों और भरोसे को लेकर कई अहम बातें सामने आई थीं। पीएम मोदी ने भारत-चीन रिश्तों के लिए तीन म्यूचुअल यानी

पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक हित पर जोर दिया था। भारत की तरफ से यह बात भी रखी गई कि दोनों देशों के बीच मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। दोनों नेताओं की यह मुलाकात करीब 50 मिनट चली। गलवान टकराव के बाद यह दोनों नेताओं की पहली द्विपक्षीय मुलाकात थी। बैठक ऐसे समय हुई जब पिछले कुछ समय से भारत-चीन रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं। दोनों पक्षों ने रिश्तों को रणनीतिक और लंबे समय के नजरिए से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। दोनों देशों के बयानों में रिश्तों को बेहतर बनाने की इच्छा साफ दिखती है। लेकिन इस पूरी बातचीत में सबसे अहम बात यह है कि चीन ने रिश्तों में भरोसा और आपसी समझ बढ़ाने पर जोर दिया, जबकि भारत ने सीमा पर शांति और पहले से तय सहमतियों के पालन को ज्यादा साफ तरीके से सामने रखा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में लागू होगा यूसीसी



नई दिल्ली (ए)। केंद्र की भाजपा सरकार के बाद अब भाजपा शासित राज्यों में भी समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि 2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा ने पीएम मोदी के जन्मदिन को बड़े सेवा अभियान से जोड़ने की योजना बनाई है। यानी एक तरफ यूसीसी को लेकर राज्यों में आगे बढ़ने की तैयारी है तो दूसरी तरफ मोदी के जन्मदिन से देशभर में एक महीने तक सेवा गतिविधियां चलाने की तैयारी है। शाह ने एक तरफ 2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू करने का संकेत दिया गया है। दूसरी तरफ पीएम मोदी के जन्मदिन से एक महीने तक चलने वाला सेवा संकल्प अभियान संगठन और जनता को जोड़ने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

अचानक डॉलर से दूरी बनाना आसान नहीं, इसकी वजह है वैश्विक कारोबार



नई दिल्ली, (ए)। ब्रिक्स सम्मेलन में डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में कारोबार बढ़ाने की चर्चा ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है। हालांकि, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के चीनी अध्ययन विशेषज्ञ प्रोफेसर के मुताबिक विकासशील देशों के लिए

अचानक डॉलर से दूरी बनाना आसान नहीं होगा। इसकी वजह है कि वैश्विक कारोबार, ऊर्जा बाजार, बैंकिंग व्यवस्था और पश्चिमी देशों के बाजारों से इन अर्थव्यवस्थाओं के गहरे संबंध हैं।

प्रोफेसर के मुताबिक दुनिया के करीब 54 फीसदी वैश्विक लेनदेन में

इस कारण ब्रिक्स के साझा दस्तावेज में डॉलर से सीधे दूरी बनाने की घोषणा नहीं

अब भी डॉलर से होता है। ऐसे में अचानक डॉलर से हटने का असर विदेशी व्यापार से लेकर वित्तीय बाजारों तक पड़ सकता है। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अभी भी अमेरिका और यूरोप के बाजारों पर काफी निर्भर हैं। इन देशों के लिए वैश्विक वित्तीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यवस्था बेहद अहम है। यही कारण है कि ब्रिक्स के साझा दस्तावेज में डॉलर से सीधे दूरी बनाने की घोषणा नहीं की गई है। डॉलर के दबदबे की एक बड़ी वजह तेल कारोबार भी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर ने 1972 में तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर की सऊदी अरब यात्रा और उसके बाद मजबूत हुए पेट्रोलियम बाजारों का उल्लेख किया। तेल के अंतरराष्ट्रीय कारोबार में डॉलर के इस्तेमाल ने अमेरिकी मुद्रा की वैश्विक मांग को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। आज भी तेल आयात करने वाले देशों को बड़े पैमाने पर डॉलर की जरूरत पड़ती है। इसलिए डॉलर से दूरी की कोशिश के बावजूद ऊर्जा कारोबार के कारण उसकी उपयोगिता बनी हुई है।

ब्रिक्स के अंदर भी एक अलग आर्थिक गणित सामने आता है। प्रोफेसर के मुताबिक समूह के देशों के बीच करीब 1.7 ट्रिलियन डॉलर के आपसी कारोबार में करीब 47 फीसदी हिस्सेदारी चीनी युआन की है। ऐसे में डॉलर का विकल्प तलाशने के साथ यह सवाल भी अहम है कि नई व्यवस्था में किस मुद्रा की भूमिका बढ़ेगी। यदि डॉलर की जगह किसी एक दूसरी मुद्रा पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, तो उससे जुड़े नए आर्थिक जोखिम पैदा हो सकते हैं। स्थानीय मुद्राओं में कारोबार और केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा को

लेकर भी ब्रिक्स देशों में चर्चा हो रही है। डिजिटल मुद्रा के जरिए सदस्य देशों के बीच सीधे लेनदेन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय भुगतान व्यवस्था को ज्यादा लचीला बनाने की कोशिश की जा सकती है। हालांकि प्रोफेसर कोडोपल्ली इसे फिलहाल अंतरिम विकल्प मानते हैं। उनका कहना है कि डिजिटल मुद्राएं और स्थानीय करेंसी कारोबार डॉलर पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन मौजूदा वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में डॉलर की जगह पूरी तरह लेने की चुनौती अभी काफी बड़ी है।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं।

क्या ब्रिक्स बनेगा नई विश्व व्यवस्था का इंजन?

साथियों, भारत की

अध्यक्षता में ब्रिक्स का एजेंडा

केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा गया है।

व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा,

डिजिटल तकनीक एमएसएमई

स्टार्टअप, वैश्विक मूल्य-

श्रृंखलाओं, पर्यावरण आपदा-रोधी

क्षमता और भुगतान प्रणालियों जैसे

व्यावहारिक मुद्दों पर पूरे वर्ष

बैठकें हुई हैं। जयपुर में ब्रिक्स

व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स

इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030 की

दिशा में प्रगति, व्यापार वित्त की

कमी दूर करने के लिए जयपुर

सहमति और अधिक मजबूत तथा

विविध वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं

पर जोर दिया गया। इसी तरह

गुरुग्राम में ऊर्जा मंत्रियों की

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और स्मार्ट

ग्रिड तथा ऊर्जा भंडारण के लिए

ब्रिक्स डिजिटल सेंटर ऑफ़

एक्सीलेंस की सटीकता से

शुरुआत हुई।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर दुनियाँ इस समय जिस दौर से गुजर रही है, उसमें युद्ध, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा संकट, आपूर्ति-श्रृंखला की अस्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक खींचतान ने वैश्विक व्यवस्था को अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर में पहुंचा दिया है। ऐसे समय में 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में हो रहे 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा भी है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएं बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी सामूहिक शक्ति को कितना प्रभावी बना सकती हैं। भारत 2026 में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी अध्यक्षता का मूल मंत्र बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेनैबिलिटी तथा ह्यूमनिटी फर्स्ट है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स अब केवल ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का पुराना समूह नहीं रह गया है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है। ब्रिक्स देशों में दुनियाँ की करीब आधी आबादी रहती है और क्रय-शक्ति समानता के आधार पर



वैश्विक जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। यही वजह है कि नई दिल्ली में होने वाला सम्मेलन पश्चिमी देशों सहित पूरी दुनियाँ की निगाहों के केंद्र में है।

साथियों, भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स का एजेंडा केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा गया है। व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक एमएसएमई स्टार्टअप, वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं, पर्यावरण आपदा-रोधी क्षमता और भुगतान प्रणालियों जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर पूरे वर्ष बैठकें हुई हैं। जयपुर में ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030 की दिशा में प्रगति, व्यापार वित्त की कमी दूर करने के लिए जयपुर सहमति और अधिक मजबूत तथा विविध वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं पर जोर दिया गया। इसी तरह गुरुग्राम में ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और स्मार्ट ग्रिड तथा ऊर्जा भंडारण के लिए ब्रिक्स डिजिटल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की सटीकता से शुरुआत हुई।

साथियों, इसी व्यापक आर्थिक रणनीति के बीचक्रिटिकल मिनरल्स भारत की अध्यक्षता का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक पहलू बनकर उभर रहे हैं। लिथियम, निकेल कोबाल्ट ग्रेफाइट, कॉपर, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और प्लेटिनम ग्रुप की धातुएं आज केवल खनिज नहीं रह गई हैं; ये इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, रक्षा प्रणालियों एयरोस्पेस, दूरसंचार और आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत बन चुकी हैं। इसलिए जिस देश या समूह के पास इन खनिजों के भंडार, खनन, प्रोसेसिंग और तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। यही कारण है कि ब्रिक्स में क्रिटिकल मिनरल्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। 2024 के कजान शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के विशाल खनिज भंडार को देखते हुए भूवैज्ञानिक सहयोग और ब्रिक्स जियोलाॉजिकल प्लेटफॉर्म को व्यावहारिक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था।

दुबई में बजा 'मोहन' का डंका, एमपी में संभावनाएँ अपार, निवेश की बहार

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलोगा।

मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29



दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है।

दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रु और रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश की

प्रतिबद्धता जताई गई। वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड-चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देशों सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा।, बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे।

दुबई दौर के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य

प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया। इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौर के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा। दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है।

राशिफल

मेष राशि :- किसी के द्वारा धोखा देने की मनोवृत्ति से खिन्न होंगे, धन का व्यय तथा परिश्रम विफल होगा।

वृष राशि :- समय अनुकूल नहीं, लेनदेन के मामले विफल रहे तथा व्यर्थ विवाद से अवश्य ही बचें।

मिथुन राशि :- समय व्यर्थ नष्ट होगा, यात्रा प्रसंग में थकावट व बैचैनी का अनुभव होगा, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि :- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य ही मिलेगी, ध्यान रखें।

सिंह राशि :- परिश्रम से कार्य पूर्ण होंगे, तर्क-वितर्क में विजय होगी, सफलता मिले, धन लाभ होगा।

कन्या राशि :- व्यावसायिक अनुकूलता से लाभ किंतु असंतोष, कार्य व्यवस्था अनुकूल बनी रहेगी।

तुला राशि :- किसी तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, कुछ उद्दिष्टता से परेशानी बनेगी, मित्रों से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि :- परिश्रम से कार्य में सुधार होगा, कार्य विफलत्व की चिन्ता बनेगी, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि :- स्त्री-वर्ग से उत्साह, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

मकर राशि :- स्वभाव में क्लेश व अज्ञाति, व्यर्थ क्षमण, विश्रम, भय तथा उद्विग्नता अवश्य ही बढ़ेगी।

कुंभ राशि :- कार्यगति अनुकूल, चिन्तार्यों कम होंगी तथा सफलता के साधन अवश्य जुटायें, समय का ध्यान रखें।

मीन राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा इष्ट-मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा, ध्यान दें।



गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को

हिंदू धर्म में भगवान गणेश का जन्मोत्सव, गणेश चतुर्थी के रूप में, अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पावन पर्व भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन विघ्नहर्ता गणेश का प्राकट्य हुआ था। इसे गणेश जन्मोत्सव के रूप में भी जाना जाता है और यह एक ऐसा अवसर है जब पूरे भारत में भक्तगण अपने प्रिय गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। गणेश चतुर्थी से शुरू होने वाला यह उत्सव पूरे दस दिनों तक चलता है और अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन के साथ संपन्न होता है। वर्ष 2026 में, यह शुभ तिथि 14 सितंबर, सोमवार को पड़ रही है, जब भक्तगण अपने प्रिय गणपति का

स्वागत करेंगे और उनकी पूजा-अर्चना में लीन होंगे। हिंदू

पंचांग के अनुसार,

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि 14 सितंबर 2026 को सोमवार के दिन सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर प्रारंभ होगी और अगले दिन, यानी 15 सितंबर, मंगलवार को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर इसका समापन होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान गणेश का जन्म चतुर्थी तिथि के मध्याह्न काल में हुआ था, यही कारण है कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी का महापर्व 14 सितंबर को ही मनाया शास्त्र सम्मत होगा। इस दिन को विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है, और भगवान गणेश की पूजा मुख्य रूप से मध्याह्न काल में करने की परंपरा है।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना मुख्य रूप से मध्याह्न काल में करने की परंपरा है। 14 सितंबर को गणपति पूजा के लिए मध्याह्न काल में सुबह 11 बजकर 2 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक का समय अत्यंत शुभ रहेगा। इस अवधि में भक्तजन विधि-विधान से गणेश जी की पूजा-अर्चना कर सकते हैं और उनकी प्रतिमा की स्थापना भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इसी दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 52 मिनट से दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक रहेगा, जिसे गणपति प्रतिमा और कलश स्थापना के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। अन्य शुभ मुहूर्तों की बात करें तो, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 32 मिनट से 5 बजकर 19 मिनट तक रहेगा, जबकि निशिता मुहूर्त रात 11 बजकर 53 मिनट से 15 सितंबर की रात 12 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर भद्रा का वास भी रहेगा, परंतु भक्तों के लिए यह राहत की बात है कि इसका समय गणेश पूजा और प्रतिमा स्थापना के मुख्य

शुभ मुहूर्त से भिन्न है।

पूजा का शुभ मुहूर्त और नियम

पंचांग के अनुसार, भद्रा 14 सितंबर की शाम 7 बजकर 20 मिनट पर प्रारंभ होगी और 15 सितंबर की सुबह 6 बजकर 6 मिनट तक रहेगी। इस दौरान भद्रा का वास पाताल लोक में बताया गया है, जिससे पृथ्वी पर होने वाले शुभ कार्यों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन करने से बचने की एक महत्वपूर्ण धार्मिक मान्यता है। 14 सितंबर को चंद्रोदय सुबह 9 बजकर 6 मिनट पर होगा, जबकि चंद्रास्त रात 8 बजकर 4 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन चंद्रमा को देखने से व्यक्ति पर झूठे या गलत आरोप लगने का संकट आ सकता है, जिसे कलंक कहा जाता है। इसलिए, इस दिन चंद्र दर्शन न करने की विशेष परंपरा का पालन किया जाता है। यह दस दिवसीय उत्सव अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन के साथ समाप्त होता है, जब भक्तजन अगले वर्ष पुनः पधारने की कामना के साथ बप्पा को विदाई देते हैं। गणेश चतुर्थी का यह पर्व हर साल की

2026 में भी

सुख-समृद्धि और

मंगलकामनाओं का संदेश लेकर आएगा।

तरह

एकादशी का महत्व और चावल का सेवन न करने के कारण



हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार

माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन

अखंड सौभाग्य और मनोकामना पूर्ति का महापर्व

हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक हरतालिका तीज भगवान शिव और माता पार्वती की अटूट प्रेम और उपासना को समर्पित है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाए जाने वाले इस पवित्र पर्व का विशेष महत्व है। यह पावन पर्व 14 सितंबर, सोमवार को मनाया जाएगा, जब भक्तजन भक्ति और आस्था के साथ भगवान शिव और माता पार्वती का आह्वान करेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिन्होंने कठोर तपस्या के बाद एक-दूसरे को प्राप्त किया था। यही कारण है कि सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। वहीं, कुंवारी कन्याएं मनचाहा जीवनसाथी पाने की इच्छा से इस कठिन व्रत का पालन करती हैं। यह व्रत हिंदू धर्म के सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, जिसमें व्रती बिना अन्न और जल ग्रहण किए पूरे दिन उपवास रखती हैं, अपनी आस्था और भक्ति का प्रदर्शन करती हैं।

पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में तृतीया तिथि का प्रारंभ 13 सितंबर को सुबह 07:08 बजे होगा और यह 14 सितंबर को सुबह 07:06 बजे समाप्त होगी। हरतालिका तीज का मुख्य पूजन 14 सितंबर को किया जाएगा। इस दिन प्रातःकाल पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:12 बजे से 07:06 बजे तक रहेगा, जबकि प्रदोष काल पूजा शाम 06:27 बजे के बाद संपन्न की जा सकेगी। इन शुभ मुहूर्तों में की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। हरतालिका तीज के दिन व्रती सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करती हैं और स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। इस दिन विशेष रूप से हरे और लाल रंग के कपड़े पहनना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके उपरांत, भगवान शिव और माता पार्वती का ध्यान करते हुए व्रत का विधिवत संकल्प लिया जाता है। पूजा के लिए साफ बालू, रेत या मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और प्रथम पूज्य भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमाएं बनाई

मिलता है कि जो व्यक्ति



जाती हैं। इन प्रतिमाओं को एक लकड़ी की चौकी पर, जिस पर लाल या हरे रंग का कपड़ा बिछा हो, स्थापित किया जाता है। इसके साथ ही शुभता के प्रतीक कलश की स्थापना भी की जाती है।

भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, भस्म, चंदन और सफेद वस्त्र अर्पित किए जाते हैं, वहीं माता पार्वती को सोलह शृंगार की सामग्री, जिसमें सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी और चुनरी प्रमुख हैं, श्रद्धापूर्वक भेंट की जाती है। धूप-बत्ती और अगरबत्ती जलाकर वातावरण को सुगंधित किया जाता है और भगवान को फल तथा मिठाई का भोग लगाया जाता है। इस दौरान हरतालिका तीज की व्रत कथा का श्रवण या पाठ किया जाता है, जिसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की भावपूर्ण आरती उतारी जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पवित्र रात में भजन-कीर्तन करते हुए जागरण किया जाता है, जिससे भक्तिमय वातावरण बना रहता है। अगले दिन सुबह पुनः पूजा-अर्चना करने के बाद दान-दक्षिणा देकर व्रत का पारण किया जाता है, और इस प्रकार यह महापर्व संपन्न होता है, जो अटूट आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

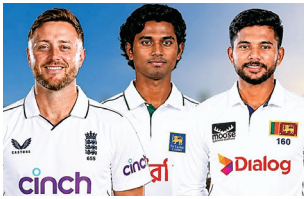
एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।



बुडापेस्ट, हंगरी में विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ का फाइनल जीतने के बाद अमेरिका की मसाई रसेल फिनिश लाइन पार करती हुई।

आईसीसी के अगस्त माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए रॉबिन्सन, सोनल और हसन महमूद हैं दावेदार

दुबई (ए)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगस्त महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए इंग्लैंड के ऑली रॉबिन्सन, श्रीलंका के सोनल दिनुशा और बांग्लादेश के हसन महमूद के नाम तय किये हैं। इस पुरस्कार का चयन वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों की वोटिंग के जरिये किया जाता है। इसके लिए आईसीसी ने अपनी फैन वोटिंग



प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन दावेदारों में श्रीलंका के 25 वर्षीय बल्लेबाज सोनल दिनुशा भी हैं। दिनशा ने दूसरे टेस्ट में शतक लगाकर भारत की जीत

की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। दिनुशा सीरीज के शीर्ष स्कोरर बनकर उभरे। उन्होंने चार पारियों में अविश्वसनीय 140 के औसत से कुल 420 रन बनाए। उनकी चार पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल था। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन ने पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में अपना प्रभाव दिखाया है।

संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर बनेगी 'राधा अंश'

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को लेकर अटकलें तेज

नई दिल्ली (ए)। 'हनुमान अंश' की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद अब एक और प्रतिष्ठित संत के जीवन को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी शुरू हो गई है। वैष्णव किन्नर अखाड़ा की जगदुरु शंकराचार्य हिमांगी सरखी ने संत प्रेमानंद महाराज के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित फिल्म 'राधा अंश' बनाने की घोषणा की है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसके विषय और संभावित कलाकारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सबसे ज्यादा चर्चा भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के नामों को लेकर हो रही है। हिमांगी सरखी ने बताया कि 'हनुमान अंश' से मिली प्रेरणा के बाद संत प्रेमानंद महाराज की आध्यात्मिक यात्रा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का विचार आया। उन्होंने कहा कि उनका बचपन ब्रज की गलियों में बीता है और राधा रानी के प्रति उनकी गहरी आस्था है। इसलिए 'राधा अंश' उनके लिए महज फिल्म निर्माण की परियोजना नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भावनाओं से जुड़ा प्रयास है।



फिल्म में संत प्रेमानंद महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक संघर्ष और भक्ति यात्रा को प्रमुखता से दिखाने की योजना है। हालांकि, फिल्म को आगे बढ़ाने से पहले संत प्रेमानंद महाराज या उनके शिष्य परिकर की अनुमति जरूरी होगी। हिमांगी सरखी जल्द ही उनसे मुलाकात कर फिल्म निर्माण की अनुमति लेने का प्रयास करेंगी। सहमति मिलने के बाद फिल्म का प्रोमो तैयार किए जाने की भी योजना है। कास्टिंग को लेकर भी निर्माताओं ने स्पष्ट किया है कि संत प्रेमानंद महाराज का परिकर जिन कलाकारों के नाम सुझाएगा, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। इसी वजह से विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को

लेकर अटकलों ने जोर पकड़ा है। दोनों की संत प्रेमानंद महाराज के प्रति आस्था जगजाहिर है और वे कई मौकों पर वृंदावन जाकर उनका आशीर्वाद ले चुके हैं।

इसी आधार पर प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा 'राधा अंश' में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी तक दोनों के फिल्म से जुड़ने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल उनके नाम केवल चर्चाओं और कयासों तक सीमित हैं। फिल्म की वास्तविक कास्टिंग और निर्माण की दिशा संत प्रेमानंद महाराज की अनुमति मिलने के बाद ही स्पष्ट होगी।

131 साल बाद हुआ ऐसा

मानव सुतार ने रचा इतिहास

दोनों पारियों में नहीं दिया 1 मी रन...



नई दिल्ली (ए)। भारतीय स्पिनर मानव सुतार ने काउंटी चैंपियनशिप में ऐसा कुछ किया है, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में सालों से देखने को नहीं मिला था। वॉरविकशायर के लिए खेल रहे सुतार हाल ही में श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के साथ थे और आखिरी मैच के तीन दिन बाद वह इंग्लैंड चले गए थे। उन्होंने ग्लेमोर्गन के खिलाफ हुए मैच की दोनों पारियों में विकेट लिए और सबसे खास बात यह कि उन्होंने दोनों पारियों में एक भी रन दिए बिना यह इतिहास रच दिया। कार्डिफ में खेले गए इस मैच में वॉरविकशायर ने ग्लेमोर्गन को बुरी तरह हराया। ग्लेमोर्गन की पहली पारी सिर्फ 69 रनों पर सिमट गई थी, जिसमें सुतार ने एक विकेट लिया था। वॉरविकशायर ने ग्लेमोर्गन को दूसरी पारी में भी 65 रनों पर ऑल आउट कर पारी और 257 रनों के बड़े अंतर से इस मैच को जीत लिया। दूसरी पारी में सुतार ने दो विकेट चटकाए।

मानव सुतार ने इस मैच में अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। ग्लेमोर्गन की पहली पारी में सिर्फ एक बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू पाया था। मानव सुतार को 27वें ओवर में

गेंदबाजी के लिए लगाया गया था, जब तक 9 विकेट गिर चुके थे। उन्होंने अपनी तीसरी गेंद पर मीर हम्जा को बोलड कर अपना पहला विकेट लिया। दूसरी पारी में सुतार को 24वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लगाया गया, और उन्होंने अपना पहला ओवर मेडन डाला। अपने दूसरे ओवर में उन्होंने क्रिस कुक (9) और जेमी मैकआइरोय (0) को आउट किया, और खास बात यह है कि उन्होंने इन सभी बल्लेबाजों को बोलड किया। इस तरह सुतार ने पूरे मैच में 2.3 ओवर फेंके और बिना एक भी रन दिए कुल 3 विकेट हासिल किए।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ दूसरी बार है जब किसी गेंदबाज ने दोनों पारियों में विकेट लिए और एक भी रन नहीं दिया। इससे पहले इंग्लैंड के टॉम हेवर्ड ने साल 1895 में ऐसा कारनामा किया था। अब 131 साल बाद मानव सुतार ने यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड दोहराकर अपना नाम क्रिकेट इतिहास में दर्ज करा लिया है। यह एक असाधारण उपलब्धि है जो उनकी सटीकता और गेंदबाजी कौशल का प्रमाण है, खासकर ऐसे समय में जब खेल में बल्लेबाजों का दबदबा बढ़ता जा रहा है।

यूपी में मुफ्त तोरिया बीज योजना शुरू, किसान ऐसे करें बुकिंग

नई दिल्ली (ए)। उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को तोरिया की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक नई योजना शुरू की है। इसके तहत किसानों को तोरिया के मुफ्त बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहल राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को बीज खरीद के खर्च से राहत दिलाने के लिए की गई है। इच्छुक किसान निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। तोरिया एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है, जो कम समय में तैयार होती है और बाजार में इसकी अच्छी मांग रहती है। सरकार अच्छी गुणवत्ता वाले मुफ्त बीज उपलब्ध कराकर किसानों को बीज खरीदने के खर्च से राहत दे रही है, साथ ही राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे किसानों को बेहतर उपज की उम्मीद है। मुफ्त बीज का लाभ उठाने के लिए किसानों को पहले आवेदन या बुकिंग करनी होगी। यह प्रक्रिया कृषि विभाग की वेबसाइट, अपने जिले के कृषि विभाग कार्यालयों या निर्धारित बुकिंग केंद्रों के माध्यम से पूरी की जा सकती है।



आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

मुंबई (ए)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपये और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी।



गणेशोत्सव में सोने-चांदी की बंपर बिक्री, महंगाई भी बेअसर

4000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, मुंबई में 200 टन सोना बिकने की उम्मीद

मुंबई (ए)। इस साल गणेशोत्सव ने देश के ज्वैलरी बाजार में एक अनोखी चमक बिखेर दी है। शादी-विवाह या अन्य पारंपरिक त्योहारों से हटकर, गणपति बप्पा के स्वागत और उनकी प्रतिमाओं को सजाने के लिए सोने-चांदी के आभूषणों की जोरदार मांग देखी जा रही है। उद्योग अनुमानों के मुताबिक, अकेले मुंबई में इस गणेशोत्सव के दौरान 200 टन से अधिक सोने की बिक्री हो सकती है, जबकि देशभर में यह आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंचने का अनुमान है। गणेशोत्सव शुरू होने से लगभग पांच दिन पहले ही ज्वैलरी बाजार में यह विशेष रौनक शुरू हो गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार गणेश चतुर्थी तक करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। घरों में स्थापित होने वाली



गणेश प्रतिमाओं के लिए छोटे-बड़े आभूषणों की खरीदारी जोरों पर है। जावेरी बाजार के ज्वैलर्स गणपति बप्पा के लिए गणेश पादुका, नेकलेस, मोदक, चूहे, जासवंती के फूल, चैन, कान की बालियां और बाजूबंद जैसे खास गहने तैयार कर रहे हैं। इस बड़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं, क्योंकि

गणेश को मन्तों का देवता माना जाता है और कई भक्त मन्तों पूरी होने पर बड़े उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में हर दिन 200 से 225 करोड़ रुपये के गहने बिक रहे हैं। आभूषण कारोबारियों का कहना है कि सोने की बढ़ती कीमतों का खरीद पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सोने

के दाम लगभग 40 फीसदी ज्यादा होने के बावजूद, ज्वैलरी की मांग दोगुनी हो गई है। भक्ति और आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सिर्फ बप्पा की ज्वैलरी की मांग के चलते गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सर्राफा बाजार में 200 टन से ज्यादा सोना बिकने की उम्मीद है। सोने के साथ-साथ चांदी के बाजार में भी जबरदस्त रौनक है। चांदी के मोदक और चूहे की सबसे ज्यादा मांग है, जिसमें 50 ग्राम से लेकर सवा किलो तक के चूहे शामिल हैं। इसके अलावा मुकुट, कंठहार, कड़े और पादुकाएं भी खूब खरीदी जा रही हैं। गणेश पंडालों के लिए जहां प्रतिमा के आकार के अनुसार कई गुना बड़े और आकर्षक आभूषण बनाए जा रहे हैं, वहीं घरों के लिए मौजूदा रुझानों के हिसाब से आभूषणों की बिक्री हो रही है।

जाम से राहत के लिए यातायात पुलिस की पहल, वैकल्पिक मार्ग तलाशने सर्वे शुरू

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। शहर के प्रमुख मार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों के चलते कई इलाकों में यातायात का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में आमजन को जाम से राहत दिलाने के लिए झांसी रोड यातायात थाना पुलिस द्वारा वैकल्पिक मार्ग तलाशने की कवायद शुरू की गई है। इसी क्रम में झांसी रोड यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी के नेतृत्व में यातायात पुलिस और नगर निगम की टीम ने शहर के कई प्रमुख स्थानों का सर्वे किया। टीम ने ऐसे मार्गों को चिह्नित करने का प्रयास किया, जहां से यातायात को डायवर्ट कर प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम को कम किया जा सके। दरअसल, रानी लक्ष्मीबाई समाधि से फूलबाग होते हुए गुरुद्वारा तक मार्ग बंद होने के कारण आसपास के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ा है। इसका असर ऑफिसर्स कॉलोनी, एलआईसी तिराहा, मोतीमहल तिराहा, बैजाताल और हाथी गेट सहित आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। सर्वे के दौरान सिंधिया कन्या विद्यालय के पास स्थित मुरार गेट से यातायात को वसंत विहार और झांसी रोड की ओर डायवर्ट करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। इस वैकल्पिक व्यवस्था से एलआईसी तिराहे पर बढ़ने वाले यातायात के दबाव को कम करने की उम्मीद है।



यातायात दबाव घटाने के लिए नए रास्तों की तलाश

बताया गया कि नए पड़ाव ब्रिज और पड़ाव चौराहे की ओर से आने वाले ऐसे वाहन, जिन्हें झांसी रोड या वसंत विहार की ओर जाना होता है, उन्हें एलआईसी तिराहे पर यू-टर्न लेना पड़ता है। इसके चलते यहां कई बार यातायात का दबाव बढ़कर जाम की स्थिति बन जाती है। यातायात पुलिस और नगर निगम की टीम द्वारा शहर के अन्य प्रमुख स्थानों का भी सर्वे किया जा रहा है, ताकि जरूरत के अनुसार वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जा सकें। यातायात पुलिस का उद्देश्य निर्माण कार्यों के दौरान बढ़े यातायात दबाव को व्यवस्थित करना और आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। यातायात थाना प्रभारी



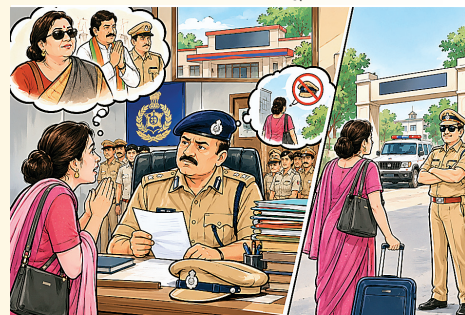
अभिषेक रघुवंशी की इस पहल से उम्मीद है कि आने वाले दिनों में शहर के व्यस्त मार्गों पर यातायात का दबाव

कम करने में मदद मिलेगी और वाहन चालकों को बार-बार लगने वाले जाम से राहत मिल सकेगी।

नहीं चला रसूख, नहीं चली राजनीति!

‘बड़ी अम्मा की भतीजी’ ने थाना पाने के लिए लगाया एड़ी-चोटी के जोर, टॉप थाने से चौकी तक की चर्चा... आखिर पड़ोसी जिले का रास्ता चुना

पुलिस महकमे में इन दिनों एक पोस्टिंग को लेकर खूब चर्चा है। खाकी के गलियारों में चर्चा है कि ‘बड़ी अम्मा की भतीजी’ ने जिले में थाना प्रभारी की कुर्सी पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, लेकिन साहब के सामने कोई सिफारिश काम नहीं आई। जिले के टॉप थानों से लेकर छोटे थानों तक पोस्टिंग की कोशिशों की चर्चा रही। यहां तक कि चौकी प्रभारी बनने के लिए भी प्रयास किए जाने की बात खाकी के सूत्र बता रहे हैं, लेकिन बात वहीं नहीं बनी चर्चा का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि न रसूख चला, न राजनीतिक दबाव काम आया और न ही कोई पैरवी पोस्टिंग का रास्ता खोल सकी। कप्तान ने अपनी प्रशासनिक प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्णय लिया और मनमाफिक थाना नहीं मिला। अब ‘बड़ी अम्मा की भतीजी’ ने पड़ोसी जिले का रुख कर लिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो पोस्टिंग जिले में नहीं मिल सकी, क्या वह दूसरे जिले में आसानी से मिल जाएगी? यह पूरा घटनाक्रम इसलिए भी गौर करने वाला है कि जिले में कप्तान की कार्यशैली ने एक संदेश जरूर दिया है यह कप्तान का जिला है साहब, यहां रसूख नहीं, राजनीति नहीं; चलती है तो केवल कानून और कप्तान की प्रशासनिक व्यवस्था। अब देखना दिलचस्प होगा कि पड़ोसी जिले में पहुंचते ही ‘भतीजी’ को थाना मिलता है या फिर वहां भी कप्तान की पसंद ही सर्वोपरि रहती है।



गंदगी और सीलन की शिकायत पर गर्ल्स हॉस्टल की छत पर पहुंचे जीआरएमसी डीन डॉ. धाकड़

ग्वालियर। जीआरएमसी के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने छात्राओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पीजी गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया। पिछले कुछ दिनों से छात्राओं द्वारा हॉस्टल में गंदगी, सीलन और बारिश के दौरान छत से पानी आने की शिकायतों की जा रही थीं।

निरीक्षण के दौरान डीन ने स्वयं हॉस्टल की छत पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अत्यधिक बारिश के कारण छतों में आई सीलन और दीवारों की स्थिति देखी। इस पर उन्होंने वर्कशॉप प्रभारी को छतों की मरम्मत और दीवारों की रिपेयरिंग के तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही कंपनी के कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। डीन ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है।

कॉम्बिंग गश्त में पुलिस का अपराधियों शिकंजा, 203 वारंटी दबोचे

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। त्योहारों से पहले कानून व्यवस्था टाइट करने के लिए ग्वालियर पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात जिले भर में कॉम्बिंग गश्त की। देर रात चली इस कार्रवाई से बदमाशों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने 104 स्थाई और 99 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 203 वारंटियों को गिरफ्तार किया, वहीं 132 गुंडे और 119 हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग की।

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर शहर और देहात में एक साथ गश्त हुई। खुद एसएसपी ने शहर में गश्त का जायजा लिया। एसएसपी मध्य सुजावल जग्गा, एसएसपी पूर्व शिवेश सिंह बघेल और एसएसपी ग्रामीण जयराज कुबेर के साथ सभी सीएसपी,



एसडीओपी और थाना प्रभारियों ने बल के साथ अपने-अपने इलाकों में पैदल गश्त की। पुलिस टीमों ने फरार बदमाशों, वारंटियों, गुंडों, हिस्ट्रीशीटर और जिलाबंद आरोपियों

के घरों पर दबिश दी। साथ ही बैंक, एटीएम, होटल, लॉज, धर्मशाला और ढाबों को भी चेक किया गया। संवेदनशील इलाकों और गलियों में घूम-घूमकर संदिग्ध वाहनों और

मुंह बांधकर चल रहे बाइक सवारों की तलाशी ली गई। कॉम्बिंग के दौरान इंदरगंज, सिरोल, मुरार, पुरानी छावनी, महाराजपुरा, विश्वविद्यालय में अवैध शराब के 1-1 और ग्वालियर थाने में 2 प्रकरण दर्ज किए गए। देहात में डबरा सिटी, पिछोर, आंतरी, चीनोर और उटीला में भी 1-1 शराब के केस बने। कपू और पुरानी छावनी में जुए के 2, बहोड़ापुर, गिरवाई, विश्वविद्यालय और बिजौली में अवैध हथियार के 4 मामले पकड़े गए। पुलिस ने कई सक्रिय बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की और गुंडा रजिस्टर अपडेट किए। जेल से छूटे आरोपियों को भी चेक कर चेतावनी दी गई कि दोबारा अपराध में लिप्त पाए गए तो सख्त कार्रवाई होगी।

नौगजा रोड पर वन-वे व्यवस्था, यातायात पुलिस ने संभाली कमान

शिंदे की छावनी से फूलबाग की ओर जाने वाला मार्ग वन-वे, थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी ने वाहन चालकों की सुविधा के लिए लगाए सूचना बोर्ड

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। शहर में सड़क पर चल रहे कार्य के चलते यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस द्वारा नौगजा रोड पर वन-वे व्यवस्था लागू की गई है। शिंदे की छावनी से फूलबाग की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित किया गया है, वहीं फूलबाग की तरफ से शिंदे की छावनी जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग की जानकारी देने के लिए यातायात पुलिस द्वारा सूचना बोर्ड और बैनर लगाए गए हैं।

यातायात थाना झांसी रोड के थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी की निगरानी



में वाहन चालकों को डायवर्ट रूट की जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि मार्ग में किसी प्रकार

की असुविधा न हो और वाहन चालक समय रहते वैकल्पिक रास्ते का उपयोग कर सकें। फूलबाग से लश्कर की तरफ

जाने वाले वाहन चालक फूलबाग चौराहा से लाल-बाल-पाल चौराहा, हाथी गेट, नदी गेट होते हुए शिंदे की

छावनी और इंदरगंज की ओर जा सकते हैं। सड़क पर चल रहे कार्य के कारण अस्थायी रूप से बदली गई यातायात व्यवस्था के दौरान सूचना बोर्ड लगाए जाने से वाहन चालकों को सही रूट चुनने में मदद मिलेगी। यातायात पुलिस की यह पहल शहर में ट्रैफिक को व्यवस्थित रखने और वाहन चालकों को परेशानी से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी के निर्देशन में पुलिस द्वारा वाहन चालकों से अपील की जा रही है कि वे लगाए गए सूचना बोर्ड और डायवर्जन व्यवस्था का पालन करें, ताकि यातायात सुचारु बना रहे।



यातायात व्यवस्था सुधारने ट्रैफिक पुलिस का एक्शन

प्रबल यादव की अगुवाई में अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर कार्रवाई

सोमेश शर्मा, अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात थाना प्रभारी प्रबल यादव के नेतृत्व में गोले का मंदिर चौराहे पर सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

वहीं, नगर निगम की मदाखलत टीम के साथ मिलकर सदर बाजार मुरार की सब्जी मंडी से अग्रसेन चौराहे होते हुए बारादरी तक सड़क पर किए जा रहे अतिक्रमण को लेकर भी कार्रवाई की गई। टीम द्वारा सड़क पर लगाए गए हाथ ठेलों और दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाने तथा भविष्य में सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश दी गई। इसी



दौरान श्री राम मिष्ठान भंडार को भी दुकान के बाहर सड़क क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करने को लेकर चेतावनी दी गई। यातायात पुलिस और नगर

निगम की संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य सड़क को व्यवस्थित रखना, यातायात सुचारू करना और आम नागरिकों के आवागमन को आसान बनाना



रहा। यातायात थाना प्रभारी प्रबल यादव की अगुवाई में की जा रही ऐसी कार्रवाई से शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क

किनारे होने वाले अतिक्रमण पर नियंत्रण की दिशा में सकारात्मक प्रयास नजर आ रहा है।

पुरानी रंजिश में फायरिंग करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

स्कूल बस रोककर चालक को बुलाया कट्टा ताना और बरसा दी गोलियां

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र के सहारे नाका चन्द्रबदनी से स्विफ्ट कार सहित दबोचे गए तीन आरोपी, एक फरार की तलाश जारी

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। स्कूल बस को बीच रास्ते रोककर चालक को धक्का लगाने के बहाने कार के पास बुलाना और फिर कट्टे से उस पर 2-3 फायर कर फरार हो जाना। ग्वालियर में हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी बरामद की है, जबकि फायरिंग में शामिल एक अन्य आरोपी अभी फरार है।

घटना 12 सितंबर की सुबह की है। ग्राम सलैया निवासी 36 वर्षीय खेम सिंह यादव ग्लोरियस स्कूल टेकनपुर की स्कूल बस चला रहे थे। बस में हेल्पर के साथ स्कूली बच्चे भी सवार थे। समूदन से पहले वेयर हाउस पुलिस के पास बीच सड़क पर सफेद रंग की स्विफ्ट कार खड़ी मिली। बस चालक ने हेल्पर को कार हटवाने के लिए भेजा तो कार में बैठे लोगों ने पेट्रोल और सीएनजी खत्म होने की बात कहते हुए बस चालक को धक्का लगाने के लिए बुलाने को कहा।

खेम सिंह जैसे ही कार के पास पहुंचे, कार में बैठे एक व्यक्ति ने कट्टा निकाल लिया और जान से मारने की नीयत से उन पर 2-3 फायर कर दिए। फायरिंग से बचने के लिए खेम सिंह मौके से भागे, लेकिन गोली के छर्रे उनके चेहरे पर लगे, जिससे वह घायल हो गए। वारदात के बाद कार सवार चारों आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायल खेम सिंह की रिपोर्ट पर थाना पिछोर में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 194/26, धारा 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ



फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही पुलिस

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों अभिषेक यादव और शिवम यादव के खिलाफ पूर्व में भी थाना उटीला और थाना थाटीपुर में दो-दो अपराध पंजीबद्ध हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त कट्टे की बरामदगी और फरार आरोपी राहुल यादव की गिरफ्तारी को लेकर पूछताछ एवं तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच, पिछोर, डबरा,

उटीला, हस्तिनापुर, गिजौरा, टेकनपुर चौकी, गितरवार, आरोन सहित साइबर सेल की टीमों की भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से फायरिंग की वारदात के बाद तीन आरोपियों को कुछ ही समय में गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में एसडीओपी डबरा, सीएसपी महाराजपुरा, एसडीओपी बेहट सहित विभिन्न थाना प्रभारियों की पुलिस टीमों को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया।

पुलिस टीमों ने वारदात के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और संदिग्धों की पहचान के साथ उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्कूल बस चालक पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपी नाका चन्द्रबदनी के पास स्विफ्ट कार सहित मौजूद हैं। सूचना मिलते ही

पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर पेट्रोल पंप के पास से तीन संदिग्धों को स्विफ्ट कार सहित पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अर्जुन उर्फ भीमा यादव निवासी सलैया थाना पिछोर, अभिषेक यादव निवासी बंधौली थाना उटीला और शिवम यादव निवासी सोसा थाना उटीला के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने स्कूल बस चालक पर कट्टे से फायरिंग करना स्वीकार किया है। वारदात में शामिल राहुल यादव निवासी बंधौली अभी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस टीमों द्वारा की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों से अवैध हथियार और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ जारी है।

पुलिस जांच में वारदात के पीछे पुरानी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अर्जुन उर्फ भीमा यादव के भाई श्रीकृष्ण यादव की वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। खेम सिंह यादव और श्रीकृष्ण यादव शादी के कार्ड लगाकर वापस सलैया जा रहे थे, इसी दौरान सिमरिया टेकरी के आगे ग्वालियर-झांसी हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। श्रीकृष्ण यादव की मौत के बाद अर्जुन को संदेह था कि खेम सिंह घायल श्रीकृष्ण को मौके पर छोड़कर भाग गया था। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर खेम सिंह को निशाना बनाया।

विवेकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने पर जोर

ई-एफआईआर से डिजिटल साक्ष्य तक, ग्वालियर पुलिस ने बढ़ाई साइबर जांच की धार

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने थानावार लंबित ई-एफआईआर और ई-जीरो एफआईआर की समीक्षा की



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। साइबर अपराधों के लगातार बदलते स्वरूप के बीच ग्वालियर पुलिस ने अब पारंपरिक पुलिसिंग के साथ तकनीकी जांच को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह द्वारा शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में जिले के राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की बैठक लेकर लंबित ई-एफआईआर एवं ई-जीरो एफआईआर की थानावार समीक्षा की गई। एसएसपी ने लंबित प्रकरणों में टीम गठित कर आरोपियों की पतारसी और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के साथ मामलों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। बैठक के बाद साइबर अपराधों की उत्कृष्ट विवेचना और विभिन्न तकनीकी पोर्टलों के प्रभावी उपयोग को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। साइबर एक्सपर्ट एवं

उच्च न्यायालय ग्वालियर के अधिवक्ता डॉ. कुलभूषण यादव ने पुलिस अधिकारियों को सीडीआर, टावर लोकेशन, आईपी एड्रेस, यूआरएल, डिजिटल साक्ष्य और बैंकिंग डेटा जैसे तकनीकी माध्यमों के विश्लेषण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध में तकनीकी साक्ष्यों का वैज्ञानिक तरीके से संकलन और विश्लेषण मजबूत विवेचना की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रशिक्षण में नवीन साइबर ट्रेंड, डिजिटल फॉरेंसिक, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया अपराध और तकनीकी अनुसंधान की बारीकियों पर भी जानकारी दी गई। पुलिस का मानना है कि तकनीकी रूप से दक्ष विवेचक न केवल आरोपियों तक तेजी से पहुंच सकते हैं, बल्कि न्यायालय में प्रभावी साक्ष्य प्रस्तुत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।